



## फनिक्लुवेशन

### प्रलिस के लयः

फनिक्लुवेशन, इंडया पोस्ट पेमेंट्स बैंक, आरबीआई, स्टार्टअप, वततीय समावेशन, डजिटल इंडया, डाक वभाग ।

### मेन्स के लयः

वृद्धि एवं वकिस, संसाधनों का संग्रहण, सरकारी नीतयों और हस्तकषेप वकिस से संबंधत मुद्दे, बैंकगि कषेत्र एवं एनबीएफसी, वततीय समावेशन, डजिटल इंडया ।

## चर्चा में कयों?

हाल ही में इंडया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (India Post Payments Bank- IPPB) द्वारा फनिक्लुवेशन प्लेटफॉर्म (Fincluvation Platform) को लॉन्च कया गया है, ताक फनिक्लुवेशन स्टार्टअप के सहयोग से अभनव उपायों को बढ़ावा दया जा सके और वंचत तथा सेवाओं तक पहुँच वाली आबादी के बीच **वततीय समावेशन** में तेज़ी लाई जा सके ।

- फनिक्लुवेशन (वततीय प्रौद्योगिकी) शब्द व्यवसायों द्वारा उपयोग कये जाने वाले उन सॉफ्टवेयर और अनय आधुनक तकनीकों को संदर्भत करता है जो स्वचालत एवं आयातत वततीय सेवाएँ प्रदान करते हैं ।

## प्रमुख बडु

### फनिक्लुवेशन:

- फनिक्लुवेशन, भाग लेने वाले स्टार्टअप के साथ समावेशी वततीय समाधान उपलब्ध कराने हेतु IPPB का एक स्थायी मंच होगा ।
  - IPPB और डाक वभाग (Department of Post- DoP) सामूहक रूप से डाकघरों और उनमें कार्यरत 4,00,000 से अधिक कर्मचारयों तथा ग्रामीण डाक सेवकों के माध्यम से 430 मलियन ग्राहकों को अपनी सेवाएँ उपलब्ध कराते हैं जो इसे वश्व के सबसे बड़े और सबसे भरोसेमंद डाक नेटवर्क का नरमाण करते हैं ।
- वततीय समावेशन के लये लक्षत सारथक वततीय उत्पादों के नरमाण की दशा में स्टार्टअप समुदाय को प्रोत्साहत करने हेतु एक शक्तशाली मंच की स्थापना करने की यह उद्योग की प्रथम पहल है ।
- स्टार्टअप को नमिनलखत ट्रैक्स के साथ संरेखत समाधान वकिसत करने के लये प्रोत्साहत कया जाता है:
  - क्रेडिटइंजेशन- लक्षत ग्राहकों के साथ संयोजत नवोन्मेषी तथा समावेशी क्रेडिट उत्पादों का वकिस करना एवं उन्हें डाक नेटवर्क के माध्यम से उनके द्वार तक पहुँचाना ।
  - डजिटलइंजेशन- डजिटल भुगतान प्रौद्योगकयों के साथ पारंपरक सेवाओं के समन्वयन के माध्यम से सुवधा प्रदान करना, उदाहरण के लये अंतः पारस्परक बैंकगि सेवा के रूप में पारंपरक मनीऑर्डर सेवा उपलब्ध कराना ।
  - बाज़ार आधारत समाधान- बाज़ार आधारत कोई भी समाधान जो लक्षत ग्राहकों की सेवा करने में आईपीपीबी (IPPB) और/या डाक वभाग से संबंधत कसी अनय समस्या का समाधान करने में सहायता कर सकती है ।
- फनिक्लुवेशन मेंटर स्टार्टअप के साथ मलिकर कार्य करंगे ताक ग्राहकों की ज़रूरतों के हसाब से उत्पादों में बदलाव कया जा सके और आईपीपीबी और डीओपी के ऑपरेटगि मॉडल के साथ बाज़ार में प्रवेश की रणनीत बनाई जा सके ।

## भारत में फनिक्लुवेशन की आवश्यकता:

- नए अवसरों को बढ़ावा देना: पारंपरक वतरण नेटवर्कों से जुड़ी वततीय सेवाओं के साथ प्रौद्योगिकी का समन्वयन नए प्रकार के व्यवसाय अवसर उपलब्ध करा रही है ।
- उपयोगकर्त्ताओं के अनुभव को बढ़ाना: प्रौद्योगिकी खरीद के पारंपरक मॉडल के कारण बैंकों द्वारा उत्पाद नरमाण में अक्सर उपयोगकर्त्ता के अनुभव की कमी देखी जाती है जससे ग्राहकों की अपेक्षाओं और सेवा वतरण के बीच एक बड़ा अंतर उत्पन्न होता है ।

- **पारंपरिक प्रौद्योगिकियों की वफिलता:** उत्पाद निर्माण में स्वामित्व की कमी के कारण पारंपरिक प्रौद्योगिकी फर्म ग्राहकों की सेवा अपेक्षाओं को पूरा करने में वफिल रहती है। भारतीय नागरिकों की वविधि ज़रूरतें हैं, इसलिये उपयोगकर्त्ताओं के बीच सावधानीपूर्वक वचिार करते हुए उत्पाद का डिजाइन और प्रतरूप तैयार करने की आवश्यकता है।

## इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक

- IPPB को वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री द्वारा भारत सरकार के स्वामित्व वाली 100% इक्वटी के साथ लॉन्च किया गया था।
- यह भारतीय डाक वविभाग का एक भुगतान बैंक है जो डाकघरों और लगभग 4 लाख डाकियों के नेटवर्क के माध्यम से काम करता है। इसे **भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI)** द्वारा नियंत्रित किया जाता है।
- बैंकों की स्थापना भारत में आम आदमी के लिये सबसे सुलभ, कफियाती और भरोसेमंद बनाने की दृष्टिसे की गई है। IPPB का मूल उद्देश्य है बैंक के अभाव और ऐसी बाधाओं को दूर करना तथा अंतमि वयक्त तिक बैंक की सुवधा पहुँचाना है।
- IPPB कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और **डिजिटल इंडिया** के वजिन में योगदान करने के लिये प्रतबिद्ध है।

## वत्तीय समावेशन:

- वत्तीय समावेशन मुख्यधारा के संस्थागत प्लेयरस द्वारा उचति और पारदर्शी तरीके से यथोचति वत्तीय उत्पादों और सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चति करने की प्रक्रिया है, जसिमें कमज़ोर वर्ग और कम आय वाले समूह शामिल हैं।

## वत्तीय समावेशन के लिये कुछ अन्य पहलें:

- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना
- स्टैंडअप इंडिया योजना
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना
- अटल पेंशन योजना
- प्रधानमंत्री जन धन योजना

## यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न. भारत के संदर्भ में नमिनलखिति पर वचिार कीजिये:(2010)

1. बैंकों का राष्ट्रीयकरण
2. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का गठन
3. बैंक शाखाओं द्वारा गाँवों को गोद लेना

भारत में "वत्तीय समावेशन" के लिये उपरोक्त में से कौन-सा/से कदम उठाया/उठाए जाना/जाने चाहिये?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

- बैंकों के राष्ट्रीयकरण ने बैंक शाखाओं के वस्तितार में मदद की और इस तरह अधकि-से-अधकि लोगों तक पहुँच बनाई। इसके अलावा कृषि, लघु उद्योगों और संबद्ध क्षेत्रों के ऋण में भी वृद्धि हुई है। **अतः कथन 1 सही है।**
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRB) की स्थापना **क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधनियम, 1976** के तहत सरकार द्वारा प्रायोजति, क्षेत्र आधारति ग्रामीण ऋण देने वाली संस्थाओं के रूप में की गई थी। RRB को हाइब्रडि माइक्रो बैंकिग संस्थानों के रूप में आकार देने के लिये स्थानीय अभविनियस और सहकारी समतियों की लघु-स्तरीय ऋण देने की संस्कृति एवं वाणज्यिक बैंकों की व्यावसायिक संस्कृति को आपस में जोड़ा गया था। **अतः कथन 2 सही है।**
- भारत में 1960 के दशक में कृषि-ऋण को लागत प्रभावी तरीके प्रोत्साहित करने के अलावा अपनी पहुँच बढ़ाने के उद्देश्य से से बैंकों द्वारा एक गाँव को गोद लेने की योजना शुरु की गई थी। **अतः कथन 3 सही है।**

## स्रोत: पीआईबी

